रोबोटिक सर्जरी शोध की नई पहल शुरू

इंट्यूटिव फाउंडेशन के साथ मिलकर डिजिटल सर्जिकल मॉडल विकसित होंगे

खड़गपुर, 19 दिसंबर. भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान (आईआईटी) खड़गपुर ने रोबोटिक समर्थित शल्य चिकित्सा क्षेत्र में इंट्यूटिव फाउंडेशन के साथ साझेदारी में एक नये शोध कार्यक्रम की घोषणा की है.

इंट्यूटिव फाउंडेशन एक गैर लाभकारी संस्था है जिसे मिनिमली इनवेसिव केयर में वैश्विक लीडर और रोबोटिक समर्थित शल्य चिकित्सा की अग्रणी इंट्यूटिव सर्जिकल द्वारा वित्त पोषित किया जाता है. इस कार्यक्रम का मकसद सर्जिकल केयर के व्यापक डिजिटल मॉडल विकसित करना है जो रोबोटिक प्रक्रिया में सुरक्षित दिशा निर्देश के शुरुआती चरण के ऑटोमेशन को सहयोग कर सकें. इसके साथ इस पहल से सर्जनों को ज़्यादा आत्मविश्वास और निरंतरता के साथ काम करने में मदद मिलने की उम्मीद है. इससे आदर्श और अनुमानित चिकित्सकीय प्रक्रियाओं के माध्यम से मरीज़ों को बेहतर सेवायें मिलेंगी.

इन मॉडलों को टेस्ट करने के लिए आईआईटी खड़गपुर दा विंची रिसर्च किट (डीवीआरके) का इस्तेमाल करेगा . यह काम एक बहु अनुशासनिक शोध टीम द्वारा निर्देशित किया जाता है और इसे कोलकाता के नील रतन सरकार मेडिकल कॉलेज और हॉस्पिटल के साथ आईआईटी खड़गपुर के लंबे समय से चले आ रहे सहयोग से समर्थन मिलता है. असली क्लिनिकल सेटिंग्स में कोलेसिस्टेक्टोमी प्रक्रियाओं (पित्ताशय को सर्जरी से हटाना) को बारीकी से ठीक करके, शोधार्थियों को इस बात की वास्तविक जानकारी मिलेगी कि शल्य चिकित्सा कैसे होती है, जिससे उन्हें डिजिटल मॉडल को बेहतर बनाने और यह पहचानने में मदद मिलेगी कि सहायक टूल का सबसे ज़्यादा असर कहाँ हो सकता है. संस्थान के निदेशक प्रो. सुमन चक्रवर्ती ने बुधवार को कहा, यह कार्यक्रम सर्जिकल देखभाल में जटिल चुनौतियों से निपटने में शिक्षाविदों, डॉक्टरों और वैश्विक टेक्नोलॉजी साझेदारों के बीच सहयोग की ताकत को दिखाता है.

सोना-चांदी आज हुए सस्ते

नई दिल्ली, 19 दिसंबर. अगर आप सोना या चांदी खरीदने की योजना बना रहे हैं, तो शुक्रवार का दिन आपके लिए राहत लेकर आया है. 19 दिसंबर को भारतीय सर्राफा बाजार में सोना और चांदी दोनों के दामों में हल्की गिरावट दर्ज की गई.

इंडिया बुलियन एंड ज्वैलर्स एसोसिएशन के ताजा आंकड़ों के मुताबिक, गुरुवार शाम के मुकाबले शुक्रवार सुबह कीमती धातुएं सस्ती हो गईं. 24 कैरेट सोने से लेकर 22 कैरेट और चांदी तक, सभी श्रेणियों में कीमतों में नरमी देखने को मिली, जिससे खरीदारों में फिर से उम्मीद जगी है. भारतीय सर्राफा बाजार में शुक्रवार को सोना-चांदी के दामों में हल्की गिरावट दर्ज की गई. इंडिया बुलियन एंड ज्वैलर्स एसोसिएशन के अनुसार, गुरुवार शाम की तुलना में शुक्रवार सुबह सोने और चांदी के भाव नीचे आए. 24 कैरेट शुद्धता वाला सोना आज 1,32,394 रुपये प्रति 10 ग्राम पर पहुंच गया, जो गुरुवार के मुकाबले 80 रुपये सस्ता है. वहीं 22 कैरेट सोने का भाव 73 रुपये गिरकर 1,21,273 रुपये प्रति 10 ग्राम दर्ज किया गया. 18 कैरेट और 14 कैरेट सोने में भी क्रमशः 60 और 46 रुपये की गिरावट देखी गई. चांदी की बात करें तो 999 शुद्धता वाली चांदी आज 784 रुपये सस्ती होकर 2,00,336 रुपये प्रति किलो पर आ गई.

इंजीनियरिंग निर्यात पर शून्य शुल्क

वैश्विक आपूर्ति श्रृंखला में एकीकरण को और मजबूत करने की उम्मीद

2,123 इंजीनियरिंग टैरिफ लाइनों पर शून्य शुल्क

कोलकाता, 19 दिसंबर. ईईपीसी इंडिया ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल की प्रशंसा की है, जिन्होंने दक्षिण-पश्चिम एशियाई देश की यात्रा के दौरान ओमान के साथ ऐतिहासिक व्यापक आर्थिक साझेदारी समझौते (सीईपीए) को सफलता पूर्वक संपन्न किया.

ईईपीसी इंडिया के चेयरमैन पंकज चड्ढा ने शुक्रवार को एक बयान में कहा कि भारत-ओमान व्यापक आर्थिक साझेदारी समझौते (सीईपीए) पर हस्ताक्षर एक महत्वपूर्ण विकास है. यह मुक्त व्यापार समझौता प्रभावी होने के बाद ओमान में भारतीय इंजीनियरिंग सामानों के लिए शून्य-शुल्क पहुंच का मार्ग प्रशस्त करता है. उन्होंने कहा, यह एक और प्रमुख व्यापार समझौता है जो इंजीनियरिंग उद्योग को निर्यात बाजार में अपनी उपस्थिति को विविधतापूर्ण और गहरा करने में मदद करेगा. मध्य पूर्व और अफ्रीका का प्रमुख प्रवेश द्वार होने के नाते, ओमान के साथ व्यापार समझौता विशेष रूप से एमएसएमई के लिए बहुत सारे व्यापारिक अवसरों का वादा करता है.

यह ऐतिहासिक समझौता भारतीय कंपनियों के वैश्विक आपूर्ति श्रृंखला में एकीकरण को और मजबूत करने की उम्मीद है. 2,123 इंजीनियरिंग टैरिफ लाइनों पर शून्य शुल्क पहुंच से भारतीय इंजीनियरिंग सामानों की प्रतिस्पर्धात्मकता बढ़ने की उम्मीद है और निर्यातकों को ओमान में विस्तार करने में मदद मिलेगी. यह उपाय औद्योगिक मशीनरी, विद्युत उपकरण, ऑटो पार्ट्स, धातुओं और अन्य इंजीनियरिंग उत्पादों के निर्यातकों की मदद करेगा. उन्होंने कहा कि ओमान को भारतीय इंजीनियरिंग निर्यात में मजबूत वृद्धि की उम्मीद है, जो 2028 तक लगभग 1.3 से 1.6 बिलियन अमेरिकी डॉलर तक पहुंच सकता है.

इंजीनियरिंग निर्यात को मजबूत प्रोत्साहन प्रदान करता है

यह समझौता श्रम-गहन क्षेत्रों, एमएसएमई और विनिर्माण के लिए महत्वपूर्ण अवसर खोलता है, साथ ही भारत के इंजीनियरिंग निर्यात को मजबूत प्रोत्साहन प्रदान करता है. मुख्य लाभार्थी क्षेत्रों में औद्योगिक मशीनरी, विद्युत उपकरण, ऑटो कंपोनेंट्स, लोहा और इस्पात, अलौह धातुएं और विभिन्न इंजीनियरिंग उत्पाद शामिल हैं. बेहतर बाजार पहुंच और बढ़ी हुई प्रतिस्पर्धात्मकता के साथ, ओमान को निर्यात 2028 तक लगभग 1.3-1.6 बिलियन अमेरिकी डॉलर तक पहुंचने की उम्मीद है, जो आगे मजबूत वृद्धि की संभावनाओं का संकेत देता है.

एयरटेल में नेतृत्व बदलाव, नया युग

गोपाल विट्टल बनेंगे वाइस चेयरमैन, शाश्वत शर्मा संभालेंगे सीईओ की जिम्मेदारी

डिजिटल, टेक्नोलॉजी और नेटवर्क रणनीति पर विशेष फोकस

नयी दिल्ली, 19 दिसंबर. देश की दिग्गज टेलीकॉम कंपनी भारती एयरटेल ने अपनी सुव्यवस्थित उत्तराधिकार योजना के तहत शीर्ष नेतृत्व में बड़े बदलावों की घोषणा की है. पिछले 13 वर्षों से प्रबंध निदेशक और सीईओ के रूप में कंपनी को नई ऊंचाइयों पर ले जाने वाले गोपाल विट्टल एक जनवरी 2026 से भारती एयरटेल के एक्जीक्यूटिव वाइस चेयरमैन की नई भूमिका संभालेंगे.

वहीं, वर्तमान सीईओ डेजिग्नेट शाश्वत शर्मा इसी दिन से कंपनी के नए प्रबंध निदेशक और सीईओ का पदभार ग्रहण करेंगे. नेतृत्व परिवर्तन की इस प्रक्रिया के तहत गोपाल विट्टल अब समूह स्तर पर डिजिटल, टेक्नोलॉजी, नेटवर्क रणनीति और टैलेंट जैसे महत्वपूर्ण क्षेत्रों में तालमेल बिठाने और भविष्य की रणनीति तैयार करने पर ध्यान केंद्रित करेंगे. पिछले एक साल से गोपाल विट्टल के मार्गदर्शन में व्यवसाय की बारीकियों को समझने वाले शाश्वत शर्मा अब इंडिया ऑपरेशंस का नेतृत्व करेंगे और श्री विट्टल को रिपोर्ट करेंगे.

कंपनी ने वित्तीय और प्रशासनिक स्तर पर भी कई महत्वपूर्ण नियुक्तियां की हैं. वर्तमान सीएफओ सौमेन रे को अब ग्रुप चीफ फाइनेंशियल ऑफिसर बनाया गया है, जबकि अखिल गर्ग भारती एयरटेल इंडिया के नए सीएफओ होंगे. इसके अलावा, रोहित पुरी को कंपनी सेक्रेटरी और कंप्लायंस ऑफिसर की जिम्मेदारी सौंपी गई है, जबकि पंकज तिवारी समूह स्तर पर अपनी सेवाएं जारी रखेंगे.

> एयरटेल के मौजूदा प्रबंध निदेशक (एमडी) एवं मुख्य कार्यकारी अधिकारी (सीईओ) गोपाल विट्टल आगामी एक जनवरी से पदोन्नत होकर कार्यकारी उपाध्यक्ष की जिम्मेदारी संभालेंगे. एयरटेल ने बताया कि श्री विट्टल की जगह शाश्वत शर्मा कंपनी के नये एमडी एवं सीईओ की जिम्मेदारी संभालेंगे. वह श्री विट्टल को रिपोर्ट करेंगे. इसके अलावा कंपनी के मुख्य वित्तीय अधिकारी (सीएफओ) सोमेन रॉय पूरे भारती समूह के मुख्य वित्तीय अधिकारी की जिम्मेदारी संभालेंगे. वह चार साल से अपने मौजूदा पद पर हैं. उनकी जगह मौजूदा वित्त नियंत्रक एयरटेल के नये सीएफओ होंगे.

इंडिया एनर्जी स्टैक टास्कफोर्स की दूसरी बैठक संपन्न

नई दिल्ली, 19 दिसंबर, इंडिया एनर्जी स्टैक (आईईएस) टास्कफोर्स की दूसरी बैठक आज हुई, जिसमें टास्कफोर्स के सदस्यों के साथ-साथ बिजली मंत्रालय, रेगुलेटर, इंडस्ट्री, एकेडेमिया और अन्य मुख्य स्टेकहोल्डर्स के प्रतिनिधियों ने हिस्सा लिया.

मीटिंग में आईईएस स्ट्रेटेजी और आर्किटेक्चर डॉक्यूमेंट्स के वर्जन 0.2 ड्राफ्ट की समीक्षा की गई, जिन्हें बिजली मंत्रालय द्वारा बुलाई गई पहली मीटिंग के दौरान दिए गए गाइडेंस के आधार पर डेवलप किया गया है. पिछली मीटिंग में, टास्कफोर्स ने आईईएस के विजन पर सहमति जताई थी कि यह पावर सेक्टर के लिए भारत का डिजिटल पब्लिक इंफ्रास्ट्रक्चर (डीपीआई) होगा, जिसमें मॉड्यूलरिटी, इंटरऑपरेबिलिटी, स्टैंडर्ड-आधारित डिजाइन और असल दुनिया में लागू करने की क्षमता पर खास जोर दिया जाएगा. स्ट्रेटेजी डॉक्यूमेंट का वर्जन 0.2, पूरे यूज केस पैकेज के जरिए के डेवलपमेंट का प्रस्ताव देकर एग्जीक्यूशन पर फोकस को मजबूत करता है. यह शुरुआती यूज़ केस को प्राथमिकता देने के लिए एक स्ट्रक्चर्ड रूब्रिक पेश करता है, पावर सेक्टर से संबंधित मौजूदा नेशनल डिजिटल प्लेटफॉर्म को मैप करता है, और एक मज़बूत डेटा गवर्नेंस फ्रेमवर्क की रूपरेखा बताता है, जिसमें नेशनल पावर सेक्टर डेटा पॉलिसी के पीछे का तर्क भी शामिल है. मीटिंग में टास्कफोर्स के चेयरमैन डॉ. राम सेवक शर्मा (पूर्व डायरेक्टर जनरल, ; पूर्व सीईओ, नेशनल हेल्थ अथॉरिटी; पूर्व चेयरमैन,); प्रदीप कुमार पुजारी (वाइस चेयर, डिस्टिंग्विश्ड फेलो, पूर्व चेयरमैन, पूर्व सेक्रेटरी पावर); श्री प्रमोद वर्मा (को- फाउंडर,; पूर्व चीफ आर्किटेक्ट, आधार); आलोक कुमार ; श्री जितेंद्र श्रीवास्तव (सीएमडी, आरईसी लिमिटेड); श्वेता रवि कुमार (एग्जीक्यूटिव डायरेक्टर, ग्लोबल); डॉ. राहुल टोंगिया (सीनियर फेलो,; रेजी पिल्लई (प्रेसिडेंट); प्रणव तायल (डायरेक्टर, मिनिस्ट्री ऑफ पावर) शामिल हुए.

> इस मौके पर बोलते हुए, आरईसी लिमिटेड के चेयरमैन और मैनेजिंग डायरेक्टर श्री जितेंद्र श्रीवास्तव ने कहा, इंडिया एनर्जी स्टैक भारत के पावर सेक्टर के लिए एक यूनिफाइड, भरोसेमंद और भविष्य के लिए तैयार डिजिटल नींव बनाने की दिशा में एक बड़ा कदम है. वर्जन 0.2 टास्कफोर्स की सामूहिक समझ और कॉन्सेप्ट से एग्जीक्यूशन की ओर एक मजबूत बदलाव को दिखाता है.

फ्लिपकार्ट ने मिनिवेट एआई में हासिल की नियंत्रक

नयी दिल्ली, 19 दिसंबर. ई-कॉमर्स प्लेटफॉर्म फ्लिपकार्ट ने एआई और मशीन लैंग्वेज समाधान प्रदाता कंपनी मिनिवेट एआई में नियंत्रक हिस्सेदारी हासिल कर ली है.

फ्लिपकार्ट ने एक प्रेस विज्ञप्ति में बताया कि यह अधिग्रहण मूल रचनात्मक एआई (जेनएआई) क्षमताओं के निर्माण और उनमें निवेश की दिशा में एक रणनीतिक कदम है. इससे फ्लिपकार्ट और दूसरे ई-कॉमर्स प्लेटफॉर्म के अधिक सहज तथा बेहतर खरीदारी अनुभव की ओर तेजी से बढ़ने की उम्मीद है. मिनिवेट एआई ई-कॉमर्स के लिए रचनात्मक वीडियो पर केंद्रित है, जो उत्पादों के कैटलॉग को तस्वीरों की सीमाओं से निकालकर आकर्षक वीडियो कंटेंट में बदलता है.

यह प्लेटफॉर्म पारंपरिक प्रोडक्शन लागत से बेहद कम खर्च पर उच्च-गुणवत्ता के परिणाम प्रदान करता है. वीडियो के अलावा मिनिवेट एआई ई-कॉमर्स की एआई क्षमताओं का एक व्यापक सूट भी पेश करता है.

रुपये की मजबूती से चढ़ा शेयर बाजार

मुंबई, 19 दिसंबर. रुपये में जारी तेजी से शुक्रवार को घरेलू शेयर बाजारों में चौतरफा लिवाली रही और बीएसई का 30 शेयरों वाला संवेदी सूचकांक सेंसेक्स 447.55 अंक (0.53 प्रतिशत) चढ़कर 84,929.36 अंक पर पहुंच गया.

नेशनल स्टॉक एक्सचेंज का निफ्टी-50 सूचकांक भी 150.85 अंक यानी 0.58 प्रतिशत की तेजी के साथ 25,966.40 अंक पर बंद हुआ. भारी उतार-चढ़ाव के बीच रुपया आज 89.25 रुपये प्रति डॉलर तक मजबूत हुआ.

स्वास्थ्य जागरूकता एवं राहत कार्यक्रम आयोजित

मेनोपॉज सोसायटी नागपुर द्वारा वरिष्ठ महिलाओं हेतु आयोजन

नागपुर, 19 दिसंबर. मेनोपॉज सोसायटी नागपुर द्वारा अध्यक्ष डॉ. प्रगति खळतकर एवं सचिव डॉ. भक्ति गुर्जर के नेतृत्व में वरिष्ठ महिलाओं के लिए स्वास्थ्य जागरूकता एवं सामाजिक कल्याण कार्यक्रम का आयोजन किया गया.

यह कार्यक्रम महिलाओं के स्वास्थ्य, गरिमा और स्वस्थ वृद्धावस्था के प्रति संस्था की प्रतिबद्धता को दर्शाता है. कार्यक्रम के अंतर्गत वरिष्ठ महिलाओं को चप्पल एवं आवश्यक दवाओं का वितरण किया गया. साथ ही रजोनिवृत्ति स्वास्थ्य, कैंसर रोकथाम, व्यक्तिगत एवं मासिक धर्म स्वच्छता तथा स्वस्थ वृद्धावस्था जैसे महत्वपूर्ण विषयों पर जानकारीपूर्ण सत्र आयोजित किए गए, जिनमें मध्य आयु के बाद भी रोकथाम एवं जागरूकता के महत्व पर जोर दिया गया. कार्यक्रम को संबोधित करते हुए डॉ. प्रगति खळतकर ने महिलाओं को मूलभूत जीवन कौशलों से सशक्त बनाने, उच्च रक्तचाप एवं मधुमेह जैसी जीवनशैली संबंधी बीमारियों की रोकथाम में योग की भूमिका, तथा डिजिटल इंडिया के युग में स्वयं को अद्यतन रखते हुए आत्मविश्वासपूर्ण एवं सुखद जीवन जीने पर बल दिया. उन्होंने युवाओं से प्रत्येक नानी-दादी को स्मार्टफोन के माध्यम से सुरक्षित डिजिटल लेन-देन सिखाकर सशक्त बनाने का भी आग्रह किया.

समाचार विशेष

कांग्रेस में प्रियंका समर्थकों की मुश्किल

नई दिल्ली. ओडिशा कांग्रेस के नेता मोहम्मद मुकिम को पार्टी से निकाल दिया गया है. उनके ऊपर अनुशासनहीनता के आरोप लगे हैं और कहा गया है कि उन्होंने कांग्रेस नेतृत्व पर सवाल उठाया है. असल में मोहम्मद मुकिम ने राहुल गांधी पर सवाल उठाए थे और मांग की थी कि प्रियंका गांधी वाड्रा को कांग्रेस का नेतृत्व सौंप देना चाहिए. कांग्रेस की कार्रवाई में इस बात का जिक्र नहीं किया गया है कि उन्होंने प्रियंका को पार्टी की कमान सौंपने की बात कही थी. सिर्फ इतना कहा गया है कि उन्होंने कांग्रेस नेतृत्व पर सवाल उठाया. गौरतलब है कि मोहम्मद मुकिम कटक बाराबती सीट से विधायक भी रहे हैं.

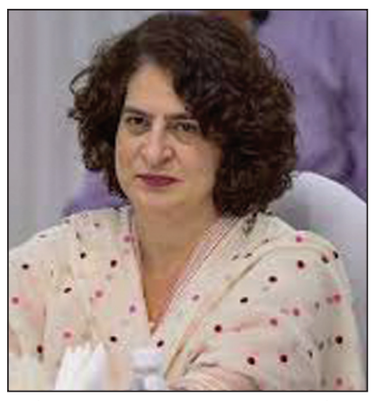

कांग्रेस के लगभग सभी नेता मुकिम के खिलाफ कार्रवाई पर चुप हैं लेकिन अनौपचारिक बातचीत में वे मान रहे हैं कि प्रियंका गांधी वाड्रा को पार्टी की कमान सौंपने की मांग पार्टी के अंदर जोर पकड़ रही है. कांग्रेस के मौजूदा नेतृत्व से हर राज्य में लोग निराश हैं. लेकिन जैसे ही कोई प्रियंका का नाम लेता है उस पर कार्रवाई हो जाती है.

> पंजाब में क्रिकेटर नवजोत सिंह सिद्धू की पत्नी नवजोत कौर को भी पार्टी से निकाला गया है. उन्होंने तो खैर कहा था कि पांच सौ करोड़ रुपए देकर ही कोई मुख्यमंत्री बन सकता है. लेकिन साथ ही उन्होंने यह भी कहा था कि नवजोत सिद्धू प्रियंका गांधी वाड्रा के बहुत करीब हैं. हालांकि प्रियंका के करीबी होने से सिद्धू को कुछ हासिल नहीं हुआ. उधर बिहार में पूर्णिया के निर्दलीय सांसद पप्पू यादव भी प्रियंका के नजदीकी होने का खामियाजा भुगत रहे हैं.

सीपीएम से खुश नहीं हैं सीपीआई नेता

तिरुवनंतपुरम. केरल में विधानसभा चुनाव से पहले लेफ्ट डेमोक्रेटिक मोर्चे में सब कुछ ठीक नहीं है. गठबंधन की दोनों मुख्य पार्टियों सीपीएम और सीपीआई के बीच तनाव बढ़ गया है. यह तनाव पहले से बना हुआ था.

सीपीआई के नेता सरकार के कामकाज को लेकर सवाल उठा रहे थे. कुछ समय पहले ही नई शिक्षा नीति को लेकर दोनों में मतभेद हुआ था. सरकार का नेतृत्व कर रही सीपीएम ने केंद्र से फंड हासिल करने के लिए समझौते का संकेत दिया था, जिसका सीपीआई ने विरोध किया था. कई और मुद्दे थे, जिन पर पहले से तकरार थी. लेकिन स्थानीय निकाय चुनाव में लेफ्ट मोर्चे की हार ने तकरार बढ़ा दी है. दोनों पार्टियों के बीच एक दूसरे पर आरोप प्रत्यारोप का खेल शुरू हो गया है. माना जा रहा है कि सीपीआई गठबंधन में बेहतर डील के लिए दबाव बना रही है. हालांकि पहसे से चले आ रहे फॉर्मूले में कोई खास बदलाव होता नहीं है.

सब बराबर होंगे तो गठबंधन ही क्यों?

2027 के लिए सीट बंटवारे की सच्चाई अखिलेश यादव ने बताई

लखनऊ. उत्तर प्रदेश में 2027 के विधानसभा चुनाव को लेकर अभी से सियासी हलचल तेज हो गई है. इंडिया गठबंधन में शामिल समाजवादी पार्टी और कांग्रेस के बीच सीटों का बंटवारा कैसे होगा, इस पर अब तक सस्पेंस बना हुआ था. लेकिन अब सपा मुखिया अखिलेश यादव ने इस राज पर से पर्दा उठा दिया है.

उन्होंने अपनी रणनीति साफ करते हुए एक ऐसा फॉर्मूला बताया है जो विरोधियों की नींद उड़ा सकता है. अखिलेश ने गठबंधन की असली वजह बताते हुए भविष्य की तस्वीर साफ कर दी है.

अखिलेश यादव ने साफ शब्दों में कहा है कि अब विपक्ष ने चुनाव जीतना सीख लिया है और आने वाले समय में जीत उन्हीं की होगी. उनका कहना है कि गठबंधन का मतलब ही होता है कि एक दल दूसरे की मदद के लिए मुश्किल वक्त में खड़ा रहे.

अगर सभी पार्टियां एक बराबर हो जाएंगी तो फिर गठबंधन करने की जरूरत ही क्या रह जाएगी. उन्होंने जोर देकर कहा कि इस बार हम ऐसा रास्ता निकालेंगे जिससे गठबंधन और मजबूत हो. उनका पूरा फोकस अब सीटों की संख्या पर नहीं बल्कि सिर्फ जीत हासिल करने पर है.

जो जीतेगा वही मैदान में उतरेगा

- सीटों के बंटवारे पर अखिलेश यादव ने एकदम स्पष्ट नजरिया पेश किया है. उन्होंने कहा कि एक भी सीट अगर कोई जीत सकता है, तो उसी उम्मीदवार को मैदान में उतारा जाएगा. यह प्रयोग उन्होंने 2024 के लोकसभा चुनाव में करके देख लिया है और इसके नतीजे भी सबके सामने हैं. इसी रणनीति का परिणाम था कि भाजपा दूसरे नंबर पर आ गई और अयोध्या जैसी महत्वपूर्ण सीट पर भी उन्हें हार का मुंह देखना पड़ा. सवाल अब 'सीट' का नहीं है, बल्कि 'जीत' का है. हम कोशिश करेंगे कि गठबंधन और मजबूत हो और हम एक-दूसरे की ताकत बनें. सपा चीफ अखिलेश यादव ने ऐलान किया है कि उनका नया साल और सारे सेलिब्रेशन तभी होंगे जब यूपी में समाजवादी सरकार बनेगी.

विशेष — ठाकरे परिवार की विरासत दांव पर, महायुति भी तैयार

74,427 करोड़ की बीएमसी पर कब्जे की 'जंग' शुरू

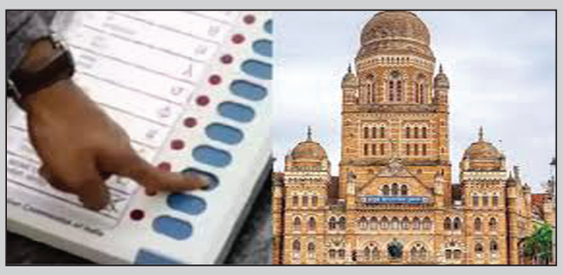

मुंबई. महाराष्ट्र की राजनीति के लिहाज से सोमवार का दिन बेहद महत्वपूर्ण रहा. राज्य चुनाव आयोग ने मुंबई की बीएमसी समेत राज्य की 29 महानगरपालिकाओं के चुनाव का ऐलान कर दिया है.

घोषणा के साथ ही सभी नगर निगम क्षेत्रों में आदर्श आचार संहिता लागू हो गई है. 15 जनवरी 2026 को मतदान होगा, जबकि 16 जनवरी 2026 को नतीजे घोषित किए जाएंगे. इन चुनावों में कुल 28,079 सीटों पर उम्मीदवार मैदान में होंगे. महाराष्ट्र में 1 करोड़ 66 लाख 79 हजार महिला मतदाता हैं. हालांकि चुनाव 29 महानगरपालिकाओं के लिए हो रहे हैं, लेकिन सबसे ज्यादा फोकस बीएमसी पर है. बीएमसी देश का सबसे अमीर नगर निकाय माना जाता है, जिसका बजट कई राज्यों से भी बड़ा है.

बीएमसी चुनाव 227 सीटों पर होते हैं. इन सीटों पर जीत मुंबई की आर्थिक और राजनीतिक ताकत पर पकड़ सुनिश्चित करती है. बृहन्मुंबई नगर निगम (बीएमसी) एशिया का सबसे समृद्ध नगर निकाय माना जाता है. वित्त वर्ष 2026 के लिए बीएमसी का सालाना बजट 74,427 करोड़ रु. है, जो दुनिया के करीब 50 देशों की जीडीपीसे भी अधिक बताया जा रहा है. जिन देशों की जीडीपी मुंबई के इस बजट से कम है, उनमें भूटान, फिजी, मालदीव, बारबाडोस, मोंटेनेग्रो, लाइबेरिया और सिएरा लियोन शामिल हैं. लंबे समय से यह धारणा रही है कि महाराष्ट्र की सत्ता तक पहुंच का रास्ता बीएमसी से होकर जाता है, इसलिए यह चुनाव सभी राजनीतिक दलों के लिए बेहद अहम है.

चुनाव से पहले फंड का ऐलान- चुनाव आयोग की घोषणा से ठीक पहले शहरी विकास विभाग ने 13 नगर निगमों के लिए रु. 74 करोड़ जारी किए. अकेले मुंबई के लिए 36 करोड़ का अतिरिक्त प्रावधान किया गया, जिसमें मुंबई शहर के लिए 18 करोड़ और उपनगरों के लिए 17 करोड़ शामिल हैं. मुंबई, ठाणे, कल्याण-डोंबिवली, भिवंडी, मीरा-भायंदर, वसई-विरार समेत अन्य नगर निगमों के लिए कुल 172 करोड़ स्वीकृत किए गए.

फडणवीस का ऐलान- महायुति साथ लड़ेगी

चुनाव तारीखों की घोषणा के बाद मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने कहा कि महायुति गठबंधन मिलकर चुनाव लड़ेगा. अधिकतर जगह बीजेपी और शिवसेना (शिंदे गुट) का गठबंधन होगा, जबकि जहां संभव होगा वहां बीजेपी और एनसीपी (अजित पवार गुट) साथ चुनाव लड़ेंगे. उन्होंने साफ किया कि पुणे और पिंपरी-चिंचवड़ में एनसीपी के साथ गठबंधन नहीं होगा और यहां मुकाबला बीजेपी बनाम एनसीपी रहेगा, हालांकि इसे दोस्ताना संघर्ष बनाने की कोशिश होगी. फडणवीस ने कहा कि ठाकरे बंधु साथ आएं या नहीं, इससे उन्हें कोई फर्क नहीं पड़ेगा. कांग्रेस अगर उनके साथ जाती है, तब भी असर नहीं होगा. उन्होंने यह भी कहा कि बीजेपी में शामिल होने के लिए कई नेता इच्छुक हैं, लेकिन शिंदे की शिवसेना से किसी को नहीं लिया जाएगा.